B.A. Part 3, Psy (H)
Paper V, Social Psy.

Topic- समूह की संरचना (Structure of group)

समूह संरचना से तात्पर्य समूह के उन गुणों से है जिनके आधार पर हम यह पता चलता है कि समूह का आकार कैसा है, समूह के सदस्यों की वैयक्तिक भूमिका कैसी है। सदस्यों के बीच आपस में संबंध कैसा है तथा समाज के अन्य समूहों के साथ उनका संबंध कैसा है अतः समूह की संरचना के आवश्यक तत्व निम्नलिखित है।

(1.) समूह का आकार (Size of the group) - समूह का आकार समूह के सदस्यों की संख्या पर निर्भर करता है। जब समूह में सदस्यों की संख्या कम होती उसे छोटा समूह कहते है जैसे परिवार। सबसे छोटा समूह में मात्र दो सदस्य होती है जैसे पति-पत्नी का समूह। जैसे-जैसे समूह के सदस्यों की संख्या बढ़ती जाती है समूह का आकार बढ़ता जाता है।

(2.) समूह में वैयक्तिक भूमिकाएँ (Individual roles in group) - प्रत्येक समूह में प्रत्येक सदस्यों की एक निश्चित भूमिका होती है। जब व्यक्ति किसी समूह का सदस्य बनता है तो वह किस प्रकार दूसरे सदस्यों से व्यवहार करता है यह समूह के स्वभाव पर निर्भर करता है। यदि समूह की संरचना औपचारिक है तो सदस्यों की

अन्तःक्रियायें एक निश्चित नियम द्वारा निर्देशित होती है। इसके विपरीत जब समूह की संरचना अनौपचारिक होती है, तो उसके सदस्यों में पूर्व निश्चित एवं पूर्व परिभाषित अन्तः वैयक्तिक सम्बन्धों की कमी पायी जाती है।

(3) समूह संबंध (Group relationship) — समूह संबंध का तात्पर्य किसी समूह के सदस्यों का दूसरे सदस्यों के आपसी संबंध से होता है। समूह प्रायः समजातीय (homogenous) नहीं होते हैं और अक्सर कार्यात्मक रूप से छोटे-छोटे खण्डों में बंटे होते हैं। ऐसे खण्ड एकरूपी होते हैं। ऐसे खण्डों को उप-समूह कहा जाता है। समाज मनोवैज्ञानिकों के अध्ययनों से यह पता चलता है कि एक उपसमूह के सदस्यों का व्यवहार दूसरे उपसमूह के सदस्यों के साथ नकारात्मक होता है परन्तु अपने ही समूह के सदस्यों के साथ सकारात्मक होता है। यही कारण है कि एक उपसमूह से दूसरे उपसमूह के बीच अन्तःक्रियायें कम होती हैं परन्तु अपने उपसमूह में इसकी मात्रा अधिक होती है।

(4) संचार संरचना (Communication Structure) — समूह संरचना की एक प्रमुख विशेषता संचार संरचना का स्वरूप होता है। संचार से तात्पर्य समूह के सदस्यों को सूचना देने तथा प्राप्त करने की प्रक्रिया से होती है। यह समूह के आकार पर निर्भर करता है। यदि समूह का आकार काफी बड़ा होता

सदस्यों को संचार (संप्रेषण) सरल होता है परन्तु यदि
समूह का आकार बड़ा है जैसे कि औपचारिक
समूह में पाया जाता है तो सदस्यों के
संचार का स्वरूप भी जटिल हो जाता है।
समूह संचार संरचना पाँच प्रकार के होते हैं
शृंखला (Chain), वृत्त संचार (संरचना)
Circle, वाई - अक्षरवत संचार संरचना
Y - little shaped), चक्र (wheel)
संचार संरचना and कॉमकॉन (Comcon)
संचार संरचना)

(5) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच संबंध
(Relationship ~~between~~ among different
social group:- किसी भी समाज में
बहुत तरह के सामाजिक समूह होते हैं।
बड़े समूह की संरचना को समझने के लिए
विभिन्न सामाजिक समूहों के संबंधों के बारे में
जानना आवश्यक है जैसे ऑफिसरों का समूह
धार्मिक संगठन, मजदूरों का समूह, मंत्रियों का
समूह, दुकानदारों का समूह आदि का आपसी
संबंधों के कारण संघर्ष - संघर्ष जारी रहता।
सामाजिक समूहों का संबंध सौहार्दपूर्ण होगा
तो हम बड़े समूह को ठीक ढंग से जान
पायेंगे।

Kumar Lalit
Assistant professor
Maharaja college
Ara.